भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

(खेल विभाग)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 656

उत्तर देने की तारीख 6 फरवरी, 2024

17 माघ, 1945 (शक)

खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति

656. श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे :

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान महाराष्ट्र राज्य में खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या कितनी है;

(ख) इस योजना के माध्यम से खिलाड़ियों को मिलने वाले संभावित लाभों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार खेलो इंडिया यूथ गेम्स के आयोजन के उद्देश्य को प्राप्त करने में सफल रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा गांवों सहित दूरस्थ अल्प विकसित क्षेत्रों में खेलों को बढ़ावा देने के लिए अन्य क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री

(श्री अनुराग सिंह ठाकुर)

(क) पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान महाराष्ट्र राज्य में खेलो इंडिया स्कीम के तहत छात्रवृत्ति के लिए चुने गए छात्रों की कुल संख्या इस प्रकार है:

2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
347	415	360	347

(ख) खेलो इंडिया स्कीम के "खेलो इंडिया केंद्र और खेल अकादमियां" घटक के तहत चिन्हित प्रतिभा को मान्यता प्राप्त खेलो इंडिया अकादमियों में शामिल होने के विकल्प दिए जाते हैं और प्रशिक्षण व्यय, कोचिंग, प्रतियोगिता अनुभव, शिक्षा, उपकरण सहायता, वैज्ञानिक सहायता आदि के लिए 6.28 लाख रुपये प्रति वर्ष [पॉकेट भत्ते (ओपीए) के रूप में 1.20 लाख रुपये सहित] की वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाती है।

(ग) जी हां। खेलो इंडिया स्कीम का लक्ष्य खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और खेल उत्कृष्टता प्राप्त करना व इसके व्यापक प्रभाव के माध्यम से देश की जनता को खेल की शक्ति का उपयोग करने का मौका देना है। यह युवाओं के बीच खेल के व्यापक आधार पर ध्यान केंद्रित कर देश भर में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देती है। अब तक, 01 खेलो इंडिया स्कूल गेम्स और 05 खेलो इंडिया यूथ गेम्स (केआईवाईजी) के संस्करण आयोजित किए जा चुके हैं। इन खेलों में 29,000 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें से 2568 खिलाड़ियों को खेलो इंडिया खिलाड़ी के रूप में चुना गया है। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण और अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न पहल की गई हैं, जिसमें मान्यता प्राप्त अकादमियों में खेलो इंडिया खिलाड़ियों का प्रशिक्षण शामिल है। ये खिलाड़ी खेलो इंडिया यूथ और यूनिवर्सिटी गेम्स में भाग लेते हैं जहां तकनीकी आचरण का मानदंड अंतरराष्ट्रीय मानकों का होता है। इसके अलावा, ये खिलाड़ी विभिन्न मंचों पर राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं जिससे उनकी क्षमताएं बढ़ती हैं और भविष्य के राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के लिए देश की बेंच स्ट्रेंथ मजबूत होती है।

(घ) युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय देश भर में खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए निम्नलिखित स्कीमें लागू करता है, जिसमें गांवों सहित दूरदराज के अविकसित क्षेत्र भी शामिल हैं:

(i) "खेलो इंडिया- राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम" की स्कीम; (ii) राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता; (iii) अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं के विजेताओं और उनके प्रशिक्षकों को विशेष पुरस्कार; (iv) राष्ट्रीय खेल पुरस्कार; (v) मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन; (vi) पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय खेल कल्याण स्कीम; (vii) राष्ट्रीय खेल विकास निधि; और (viii) भारतीय खेल प्राधिकरण के माध्यम से खेल प्रशिक्षण केंद्र।

उपर्युक्त स्कीमों का विवरण इस मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण की वेबसाइटों पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है।

****